

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - 364250

कर्युं उतुं ते प्रकरनुं, स्वानुभवप्रधान दिगंबर जैनधर्मनी सनातन
सत्यतानी प्रसिद्धिनुं गौरवपूर्णा मछान कार्य अछा! पूज्य गुरुदेवे

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यय मंदिर ट्रस्ट, सोनगढ WkcnYkkTk H ARm øk

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - 364250

उपादाननुं कार्य करवा मांडे तो निमित्त ज स्वयं
उपादान बनी जाय, अटले के निमित्त निमित्त३पे

आत्मा त्रिकाण छे तो तेनो धर्म પણ त्रिकाण
अकरूप वर्ते छे. धर्मनुं स्वरूप त्रणे काणे अक ज छे.
जैनधर्म अे वस्तुस्वरूप छे अर्थात् आत्मानी साधनामयध्नुद्धोतेन

श्री २ ळु २ ळुस्ट, सोनगढ

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

વેદન થયું, પછી તેને કોઈ બીજો જાણે કે ન જાણે—
તેની કાંઈ જ્ઞાનીને અપેક્ષા નથી. જેમ સુગંધી ફૂલ ખીલે
છે તેની સુગંધ બીજા કોઈ લે કે ન લે તેની અપેક્ષા
ફૂલને નથી

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - 364250

उत्तर :—ॐ

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

कोयला जेवी जिंदगी गाणी डोय

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - 364250

संयोगनुं लक्ष छोडी दे ने निर्विकल्प अकरूप वस्तु
छे तेनो आश्रय ले. 'वर्तमानमां त्रिकाणी ज्ञायक ते हुं
हुं

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - ३६४२५०

श्री दिगंपैऩ स्वाध्यायमं त्रिस्ट, सोनगढ -3६४२५०

श्री दिगंबर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ - 364250

वाणी अमृत-घोली है, सारी दुनियां डोली है, वाणंतर्ग्रन्थि र